

&gt;

**Title: Regarding price rise in the country.**

**श्री गोरख प्रसाद जायसवाल (देवरिया):** महोदय, आज की लोकसभा की कार्यपाली के दौरान शून्य काल के अन्तर्गत अपने विचार व्यक्त करने के लिए आपने जो अनुमति दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। सरकार की महंगाई पर नियंत्रण करने की सारी योजनाएं विफल हो रही हैं वर्योंकि उसके पीछे सरकार की कोई इच्छाशक्ति नहीं है। महंगाई का असर हमारे देश के विकास एवं विभिन्न योजनाओं पर प्रतिकूल रूप से पड़ रहा है। देश की विकास दर महंगाई के आगे झुलस रही है एवं यह विकास दर दो साल पहले 9 प्रतिशत की दर से बढ़ रही थी उसमें निशावट होकर आँखे सात प्रतिशत की दर से कम हो गई है। अर्थव्यवस्था में जो आर्थिक नियंत्रणित चल रही हैं उससे भी विकास दर में आगे भी निशावट आना स्वाभाविक है। पहले हमारे विकास की दर 9 प्रतिशत थी। कई क्षेत्रों में यह विकास दर, खनन एवं विनिर्माण क्षेत्र में 15 प्रतिशत के आसपास थी। कृषि विकास दर 1.1 प्रतिशत पर पहले भी थी और आज भी उसी पर स्थिर है। महंगाई से पूँजी निवेश घटा है, और उद्योगों ने अपने विस्तार योजनाओं को टाल दिया है। इस महंगाई ने छोटे और मध्यम उद्योगों की कमर तोड़कर रख दी। ताजत में बढ़ोतारी और उत्पादन में कमी से महंगाई कम होने के बजाए और बढ़नी वर्योंकि लागत और महंगाई में एक कुचकू हो गया है। लागत बढ़ने से महंगाई बढ़ती है और महंगाई बढ़ने से लागत बढ़ रही है। सरकार इस दुष्कर को तोड़ने के बजाए उपाय करने में लाजी ढूँढ़ रहे हैं और महंगाई बढ़ने को आधारहीन कारण बताए जा रहे हैं। देश के आर्थिक मैनेजर लोगों को झूली दिलासा देते रहे हैं कि देश के विकास के लिए महंगाई का बढ़ना आवश्यक है।...(व्यवधान)

**सभापति महोदय :** आप मांग कीजिए।

रुपये।(व्यवधान)

**श्री गोरख प्रसाद जायसवाल :** हमारे देश के जिम्मेदार लोगों ने कहा कि वर्ष 2010 तक कीमतें नियंत्रण में हो जाएंगी और प्रधान मंत्री जी ने 5.5 प्रतिशत महंगाई कम होने की बात डंका ठोककर कही थी। वे बाद में कहने लगे कि उनके पास महंगाई को रोकने के लिए कोई जादू की छड़ी नहीं है।...(व्यवधान)

**सभापति महोदय :** आप अनुरोध कीजिए, अपनी मांग रखिए।

रुपये।(व्यवधान)

**श्री गोरख प्रसाद जायसवाल :** इस बढ़ती महंगाई से मध्यम वर्ग कराह रहा है। जितना वेतन नहीं बढ़ रहा है, उससे ज्यादा महंगाई बढ़ रही है। हमारी सरकार विकास के लिए महंगाई को आवश्यक मानती है। अगर देश में 9 प्रतिशत विकास होता है और महंगाई भी 9 प्रतिशत बढ़ती है, तो ऐसे विकास का वया फायदा है।

मैं सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर ठिलाना चाहता हूँ कि अनियंत्रित महंगाई से विकास का कोई फायदा देश को नहीं मिल रहा है। महंगाई पर शीघ्र नियंत्रण लगाया जाए। सरकारी एवं प्रधान मंत्री जी के अर्थशास्त्र से देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो रही है। इस संबंध में सुधारवाटी नीति अपनाई जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ।